



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]
No. 15]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 14, 1979/चैत्र 24, 1901
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 14, 1979/CHAITRA 24, 1901

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय
नई दिल्ली, 29 मार्च, 1979

का० नि० आ० 94.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड लखनऊ की सदस्यता में जे० के० ए० गोपालन के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/1/सी/एल एण्ड सी/78/1089/डी(कैन्टस)]

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 29th March, 1979

S.R.O. 94.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Lucknow by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Lt. Col. A. Gopalan,

[File No. 19/1/C/L&C/78/1089/D(Cantts)]

का० नि० आ० 95.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि जे० के० ए० एस० शोखाबत को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा जे० के० ए० गोपालन के जिम्होने त्याग पत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, लखनऊ के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

[फाइल संख्या 19/1/सी/एल एण्ड सी/78/1089/1/डी (कैन्टस)]

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1979

का० नि० आ० 97.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और ए० ओ० सी० में सिविलियन, वर्ग 3 (जालक) भर्ती नियम, 1969 को अधिकांश करते हुए ए० ओ० सी० में कतिपय समूह 'ग' पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, यथातः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:— (1) इन नियमों का नाम सेना युद्ध सामग्री कोर (समूह 'ग' अनौद्योगिक) भर्ती नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

S.R.O. 95.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Lt. Col. H. S. Shekhawat has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Lucknow vice Lt. Col. A. Gopalan who has resigned.

[File No. 19/1/C/L&C/78/1089/L/D(Cantts)]

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1979

का० नि० आ० 96 छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि डॉ० जे० एम० खान छावनी बोर्ड, मुंबाई के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

[फाइल सं० 29/5/सी/एल एण्ड सी/66/1072-सी/डी(कैन्ट)]

एन० कृष्णराव, भवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 1979

S.R.O. 96.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Dr. J. S. Khan has been elected as a member of Cantonment Board Subathu.

[File No. 29/5/C/L&C/66/1072-C/D(Cantts)]

N. KRISHNAN, Under Secy.

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य महत्ताएं, आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, महत्ताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरहताएं :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;

उक्त पदों में किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्यापृति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आदेशों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य महत्ताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. बालक श्रेणी 2	279	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, समूह 'ग', पराजपत्रित, प्रसिपिक-वर्गीय, प्रतीक्षोपिक	280-6-326-ब०रो०-8-350६०	अचयन	25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिये शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)।	आवश्यक :— (क) हल्के और भारी यानों को चलाने का सिविल चालन अनुज्ञापत्र, (ख) यानों को चलाने और उनके अनुरक्षण कार्य का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव, (ग) मिडल स्कूल स्तर उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक महत्ताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो।	भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना।	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।	
8	9	10	11	12	13	
नहीं।	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : लिस्टर बालक/बैन बालक जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष सेवा कर ली है और जिन्होंने विहित व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। स्थानान्तरण : रक्षा सेवाओं के निम्नतर विरचनाओं में समान, समतुल्य या सदृश पदों पर कार्य कर रहे व्यक्तियों में से।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में जिसमें निम्न-लिखित होंगे :— अध्यक्ष :— एक निरीक्षक : सदस्य : (1) भारसाधक अधिकांरी, सेना युद्ध सामग्री कोर अभिलेख, (2) युद्ध सामग्री सेवा सेवा मुख्यालय के निदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी। (3) अन्य आयुद्ध/सेवा कोर से एक अधिकारी (4) अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय का एक अधिकारी, यदि उपलब्ध है।	लागू नहीं होता।	

1	2	3	4	5	6	7
2. बालक श्रेणी I	186	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, समूह 'ग', अराजपत्रित, प्रसिपिकवर्गीय, प्रतीक्षोगिक	320-6-326-8-390-10-400 रु०	अचयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
3. बालक श्रेणी I (ए० एफ० व्ही०)	52	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, समूह 'ग', अराजपत्रित, प्रसिपिकवर्गीय, प्रतीक्षोगिक	330-8-370-10-400-व०रो० 10-480 रुपए।	अचयन	25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)।	(क) हल्के तथा भारी यानों को चलाने का बालन अनुशापक तथा सेना में ए० एफ० यानों को चलाने का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव। (ख) मिडिल स्कूल उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : श्रेणी 2 के ऐसे बालक जिन्होंने बालक के रूप में पांच वर्ष सेवा कर ली है और भारी/विशेष यान चलाने की बाबत निहित व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।	समूह (ग) विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे : अध्यक्ष :—एक निग्रेडियर। सदस्य :— (1) भारसाधक अधिकारी, सेनायुद्ध सामग्री कोर अभिलेख, (2) युद्ध-सामग्री सेवा सेना मुख्यालय के निदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट एक (3) अन्य आयुद्ध सेवा कोर से एक अधिकारी। (4) अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय का एक अधिकारी यदि उपलब्ध है।	लागू नहीं होता।
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : श्रेणी 2 के ऐसे बालक, जिन्होंने बालक के रूप में पांच वर्ष सेवा कर ली है और ए० एफ० व्ही० चलाने की बाबत निहित व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।	समूह (ग) विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे :— (1) अध्यक्ष एक निग्रेडियर सदस्य :— (1) भारसाधक अधिकारी, सेना युद्धसामग्री कोर अभिलेख, (2) युद्ध-सामग्री सेवा सेना मुख्यालय के निदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी। (3) अन्य आयुद्ध/सेवा कोर से एक अधिकारी (4) अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय का एक अधिकारी, यदि उपलब्ध है।	लागू नहीं होता।

1	2	3	4	5	6	7
4. चालक-तथा-पर्यवेक्षक	11	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, समूह 'ग', भराजपत्रित, अलिपिक-वर्गीय, अनौद्योगिक	330 8-370-10-400-ब०रो०-10-480 रुपए	न्यून	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
5. चालक ए एफ-व्ही-तथा-पर्यवेक्षक	2	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, समूह 'ग' भराजपत्रित, अलिपिक-	380-12-500-ब०रो०-15-560 रु०	न्यून	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : सिविलियन चालक श्रेणी 1, जिसने उस श्रेणी में तीन वर्ष सेवा कर ली है।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्न-लिखित होंगे :— अध्यक्ष : एक सिविलियर सदस्य : (1) भारसाधक अधिकारी, सेना युद्ध-सामग्री कोर अभिलेख, (2) युद्ध-सामग्री सेवा सेना मुख्यालय के निदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी, (3) अन्य आयुद्ध/सेवा/कोर से एक अधिकारी, (4) अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय का एक अधिकारी यदि उपलब्ध है।	लागू नहीं होता	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : सिविलियन चालक श्रेणी 1, (ए एफ व्ही), जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष सेवा कर ली है।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्न-लिखित होंगे :— अध्यक्ष : एक सिविलियर सदस्य : (1) भारसाधक अधिकारी, सेना युद्ध-सामग्री कोर अभिलेख, (2) युद्ध-सामग्री सेवा सेना मुख्यालय के निदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी, (3) अन्य आयुद्ध/सेवा/कोर से एक अधिकारी, (4) अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय का एक अधिकारी, यदि उपलब्ध है। टिप्पण : प्रत्येक मामले में स्तम्भ 8 में उल्लिखित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अन्तिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है। विहित अधिकतम आयुसीमा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के मामले में सिविल की जा सकती है।	लागू नहीं होता	

New Delhi, the 31st March, 1979

S.R.O. 97.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Civilians in the AOC Class III (Drivers) Recruitment Rules, 1969, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Group 'C' posts in the A. O. C., namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Army Ordnance Corps (Group 'C', Non-Industrial) Recruitment rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of the posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other Special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection or non-Selection post	age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7
1. Driver Grade II	279	Civilians in Defence Services, Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial, Non-Industrial	Rs. 260-6-326-EB-8-350	Non-Selection	25 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	Essential : (a) Civil driving license for driving light as well as heavy vehicles (b) at least 3 years' in experience in driving and maintenance of vehicles (c) Middle School standard passed certificate
Whether age and qualifications prescribed for direct recruitment will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruit or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion by/deputation/transfer grade from which promotion to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which DPC is to be consulted	
8	9	10	11	12	13	
No	2 years	By promotion failing which by transfer and failing both by direct recruitment	Promotion : Lister driver/Crane driver with 3 years' service in the grade and having passed the prescribed trade test. Transfer: Persons working in semilar. equivalent or analogous posts in the lower formations of defence services.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of— Chairman—One Brigadier Members: (1) Officer-in-Charge, Army Ordnance Corps Records (2) One Officer nominated by the Director of Ordnance Services, Army HQ (3) One Officer from other Arms/Ser-vices/Corps (4) One Officer of the Scheduled Caste/the Tribe Community, if available	Not applicable	

1	2	3	4	5	6	7
2. Driver Grade I	186	Civilians in Defence Services, Group 'C', Non-Gazetted, Non-Ministerial, Non-Industrial	Rs. 320-6-326-8-390-10-400	Non-selection	Not applicable	Not applicable
3. Driver Grade I (AFV)	52	Civilians in Defence Services, Group 'C' Non-Gazetted, Non ministerial Non-Industrial	Rs. 330-8-370-10-400-BB-10-480	Non-Selection	25 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	Essential : (a) Should possess driving license for driving light as well as heavy vehicles with at least 5 years' experience in driving AF vehicles in the Army (b) Middle School standard passed certificate
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Driver Grade II with 5 years' service as driver who qualify in the prescribed Trade Test for driving heavy/Specialist vehicles	Chairman—One Brigadier Members : (1) Officer-in-Charge, Army Ordnance Corps Records (2) One officer nominated by the Director of Ordnance Services, Army HQ (3) One Officer from other Army/Services/Corps (4) One officer of the Scheduled Caste/the Tribe community, if available	Not applicable	
No	2 years	By promotion failing which by direct recruitment	Promotion : Driver Grade II with 5 years' service as driver who qualify in the prescribed Trade Test for driving AFV	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of— Chairman—One Brigadier Members : (1) Officer-in-Charge Army Ordnance (2) One Officer nominated by the Director of Ordnance Services, Army HQ (3) One Officer from other Arms/Services/Corps (4) One Officer of the Scheduled Caste/the Tribe community, if available	Not applicable	

1	2	3	4	5	6	7
4. Driver-cum-Supervisor	11	Civilians in Defence Services, Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial Non-Industrial	Rs. 330-8-370-10-400-EB-10-480	Selection	Not applicable	Not applicable
5. Driver AFV-cum-Supervisor	2	Civilians in Defence Services, Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial, Non-Industrial	Rs. 380-12-500-EB-15-560	Selection	Not applicable	Not applicable

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Civillian Drivers Grade I with 3 years' service in the grade	Chairman—One Brigadier Members : (1) Officer-in-Charge Army Ordnance Corps Records (2) One Officer nominated by the Director of Ordnance Services, Army HQ (3) One Officer from other Army/Services/Corps (4) One Officer of the Scheduled Caste/the Tribe community, if available	Not applicable
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Civilian Driver Grade I (AFV) with 3 years' service in the grade	Chairman—One Brigadier Members : (1) Officer-in-Charge Army Ordnance Corps Records (2) One Officer nominated by the Director of Ordnance Services, Army HQ (3) One Officer from other Arms/Services/Corps (4) One Officer of the Scheduled Caste/the Tribe community, if available	Not applicable

Note :—Crucial date for determining the age limit mentioned in column 6 shall in each case be the last date upto which the Employment Exchange, are asked to submit the names. Upper age limit prescribed may be relaxed in favour of the SC/the ST or other Special category of persons.

M. NAUTIYAL Under Secy.

(सैनिक भूमि और छावनी सेवा)

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1979

का० नि० बा० 98:—सैनिक भूमि और छावनी सेवा (वर्ग 1 और वर्ग 2) नियम, 1951 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 280 की उपधारा (2) के खण्ड (ग) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा यथा प्रप्रेक्षित रूप में उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनका उमर के द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है, प्रकाशित किया जाता है और सूचना दी जाती है कि उन तारीख से जिसको उमर राजपत्र की जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि के अवसान पर या उसके पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आपत्ति या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का नाम सैनिक भूमि और छावनी सेवा (वर्ग 1 और वर्ग 2) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सैनिक भूमि और छावनी सेवा (वर्ग 1 और वर्ग 2) नियम, 1951 में,—

(क) पदों के वर्गीकरण के संबंध में जहाँ कहीं, शब्द और अक्षर "वर्ग 1", "वर्ग 2" और "वर्ग 3" आये हैं, उनके स्थान पर क्रमशः "समूह क", "समूह ख" और "समूह ग" शब्द और अक्षर रखे जाएंगे ;

(क) नियम 2 में, खण्ड (5) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(5) 'परीक्षा' से ऐसी सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है जो सेवा में भर्ती के लिए नियमों के नियम 5 के खण्ड (क) और (ख) के अधीन की जाती है और इसके अन्तर्गत प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा हैं और इसके अन्तर्गत सेवा और ऐसी अन्य सेवा या सेवाओं में, जिसे/जिन्हे सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, भर्ती के लिए सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा भी है ;"

(ग) नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"6 आयोग द्वारा या गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर सेवा में नियुक्ति का पात्र होने के लिए, अभ्यर्थी को निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होंगी, अर्थात् :—

(क) (1) वह भारत का नागरिक हो ; या

(2) वह नेपाल की प्रजा हो ; या

(3) वह भुटान की प्रजा हो ; या

(4) वह ऐसा तिब्बती जनजाति हो जो भारत में स्थायी रूप से बस जाने के आशय से तारीख 1 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत में आया हो ; या

(5) वह भारतीय उद्भव का ऐसा व्यक्ति हो जिसने भारत में स्थायी रूप से बस जाने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों, जैसे केन्या, उगाण्डा, तंजानिया संयुक्त गणराज्य, जाम्बिया, मालावी, जैरे और इथोपिया से और बियतनाम से प्रवास किया है ;

परन्तु यह कि प्रवर्ग (2), (3), (4) और (5) के अन्तर्गत आने वाला अभ्यर्थी ऐसा व्यक्ति हो जिसके पक्ष में सरकार द्वारा पत्राप्ता का प्रमाणपत्र जारी किया गया है ;

परन्तु यह और कि ऐसे अभ्यर्थी की जिनके मामले में पात्रता का प्रमाणपत्र आवश्यक है, परीक्षा में प्रविष्ट किया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति-प्रस्ताव, सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाणपत्र जारी कर दिए जाने के पश्चात् ही दिया जा सकेगा।

टिप्पण :—ऐसे व्यक्ति जिन्होंने तारीख 19 जुलाई, 1948 से पूर्व पाकिस्तान से भारत को प्रवास किया है और जो तब से भारत में साधारण रूप से निवास कर रहे हैं, भारत के नागरिक के रूप में पात्रता के प्रमाणपत्र के बिना ही सेवा में नियुक्ति के पात्र हैं।

ऐसे व्यक्ति जिन्होंने तारीख 19 जुलाई, 1948 को या उसके पश्चात् इस प्रकार प्रवास किया है, नागरिक नहीं हैं और उन्हें सेवा में नियुक्ति के लिए पात्रता का प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा जब तक कि उन्होंने तारीख 30 सितम्बर, 1948 से पूर्व प्रवास न कर लिया हो और सरकार द्वारा इस निमित्त जारी किए गए किन्हीं अन्य अनुदेशों के अधीन, अनुशासित समय के भीतर नागरिक के रूप में अपना रजिस्ट्रीकरण न करा लिया हो या वे पात्रता के प्रमाणपत्र के बिना ही सरकारी सेवा में प्रविष्ट न हो गए हों, जिन देशों में पात्रता का प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं होगा ;

(ख) उसने, उस वर्ष के जिसमें परीक्षा होती है, अगस्त की पहली तारीख को 21 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो किन्तु 28 वर्ष की आयु पूरी न की हो ;

परन्तु अधिकतम आयु-सीमा ऐसे प्रवर्गों के व्यक्तियों के संबंध में, में, जिन्हें सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर अधिसूचित किया जाए, उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए गिनती की जा सकेगी जो प्रत्येक प्रवर्ग के संबंध में अधिसूचित की जाएं ;

(ग) उसके पास भारत में संसद या राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम के अधीन नियमित किसी विश्वविद्यालय से या ऐसी अन्य शैक्षिक संस्थाओं से जो संसद के किसी अधिनियम के अधीन स्थापित की गई हैं या जिनके बारे में यह घोषणा की गई है कि उन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय समझा जाए, या सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किसी विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि होनी चाहिए अथवा उसके पास ऐसी अर्हता होनी चाहिए जिसे सरकार ने परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए मान्यता दे दी है ;

परन्तु प्रसाधारण मामलों में आयोग ऐसे अभ्यर्थी को अर्हित अभ्यर्थी मान सकेगा, जिसने, यद्यपि उसके पास इस खण्ड में विहित अर्हता नहीं है, अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित ऐसे स्तर की परीक्षाएँ उत्तीर्ण की हैं, जो, आयोग की राय में, अभ्यर्थी के परीक्षा को व्यापकित ठहराती है।

परन्तु यह और कि ऐसे अभ्यर्थियों का भी, जो अन्यथा सूचित हैं किन्तु जिन्होंने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालयों से उपाधियाँ ली हैं जो सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं हैं, आयोग के विवेकानुसार परीक्षा में प्रविष्ट किया जा सकेगा ;

परन्तु यह भी कि ऐसा अभ्यर्थी जो ऐसी परीक्षा में बैठता है जिसमें उत्तीर्ण हो जाने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से अर्हित हो जाएगा, किन्तु उसे ऐसी परीक्षा का परिणाम सूचित नहीं किया गया है और ऐसा अभ्यर्थी भी जिसका आशय ऐसी अर्हता परीक्षा में बैठने का है, प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश के लिए तभी पात्र होगा जब वह आयोग द्वारा अधिसूचित की जाने वाली तारीख तक, उस वर्ष में होने वाली मुख्य परीक्षा देने के लिए पात्र होने के लिए अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का सबूत पेश कर दे ;

- (घ) उसको यह दर्शित करने वाला प्रमाणपत्र पेश करना होगा कि उसने परीक्षा के लिए विहित फीस दे दी है ;
- (ङ) उसे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए और उसे किसी ऐसे शारीरिक दोष से भी मुक्त होना चाहिए जिससे सेवा के अधिकारी के रूप में उसके कर्तव्यों के दक्ष पालन में बाधा पड़ने की सम्भावना हो और ऐसे अभ्यर्थी को जिसके बारे में (ऐसी शारीरिक परीक्षा के पश्चात्, जो सरकार विनिर्दिष्ट करे) यह पाया जाता है कि वह इन अपेक्षाओं को पूर्ण नहीं करता है, नियुक्त नहीं किया जाएगा ; और
- (च) उसको सरकार का यह समाधान करना चाहिए कि उसका चरित्र और पूर्ववृत्त ऐसा है जो उसे सेवा में नियुक्ति के लिए सब प्रकार से उपयुक्त बनाता है ;
- (छ) ऐसे अभ्यर्थी को, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है या जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित विनिर्दिष्ट अपवादों में से किसी के अन्तर्गत नहीं आता है, परीक्षा में तीन बार से अधिक बार प्रतियोगी होने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी,

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के ऐसे अभ्यर्थी, जो अस्थायी पात्र हैं, किन्तु ही बार परीक्षा में बैठ सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—प्रारम्भिक परीक्षा यदि प्रारम्भिक परीक्षा में बैठता है तो यह समझा जाएगा कि वह इस नियम के अर्थ में, परीक्षा में बैठा है ।”

म० नोटियल, श्रवर सचिव

(Military Lands and Cantonments Service)

New Delhi, the 4th April, 1979

S.R.O. 98.—The following draft of certain rules further to amend the Military Lands and Cantonment Service (Class I and Class II) Rules, 1951, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (cc) of sub-section (2), of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), is hereby published, as required by sub-section (1) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Official Gazettee in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Military Lands and Cantonment Service (Class I and Class II) Amendment Rules, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Military Lands and Cantonment Service (Class I and Class II) Rules, 1951,—
 - (a) for the words and figures “Class I”, “Class II” and “Class III”, wherever they occur in connection with classification of the posts, the words and letters “Group ‘A’” “Group ‘B’” and “Group ‘C’” shall respectively be substituted ;
 - (b) in rule 2, for clause (v), the following clause shall be substituted, namely :—

“(v) “Examination” means a combined competitive examination consisting of preliminary examination and a main examination for recruitment to the Service held under clauses (a) and (b) of rule 5 of the rules, and includes a combined competitive examination for recruitment to the Service and such other Service or services as may be specified by the Government from time to time”;

(c) for rule 6, the following rule shall be substituted namely :—

“6. In order to be eligible for appointment to the service on the results of the Examination conducted by the Commission, a candidate must fulfil the following conditions, namely :—

(a) he must either be —

(i) a citizen of India ; or

(ii) a subject of Nepal ; or

(iii) a subject of Bhutan ; or

(iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India ; or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government :

Provided further that a candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.

Note :—Persons who migrated to India from Pakistan before the 19th July, 1948 and have been ordinarily resident in India, since then are eligible for appointment to the Service without certificate of eligibility qua citizens of India.

Persons who so migrated on or after the 19th July, 1948, are non-citizens and must secure certificate of eligibility for appointment to the Service, unless they had migrated before the 30th September, 1948, and had got themselves registered as citizens within the time allowed or had entered the Government service without certificate of eligibility under any other instructions issued in this behalf by the Government in which case certificate of eligibility will not be necessary ;

(b) he must have attained the age of 21 years and not attained the age of 28 years on the first day of August of the year in which the Examination is held :

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of such categories of persons as may, from time to time be notified in this behalf by the Government to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category ;

(c) he must hold a degree of any University incorporated by an Act of Parliament or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956) or a foreign University approved by the Government from time to time, or possess a qualification which has been recognised by the Government for the purpose of admission to the Examination :

Provided that in exceptional cases the Commission may treat as qualified a candidate who, though not possessing the qualification prescribed in this clause, has passed examinations conducted by other institutions of a standard which, in the opinion of the Commission, justifies the admission of the candidate to the Examination :

Provided further that the candidates who are not qualified but have taken degrees from foreign Universities which are not approved by the Government, may be admitted to the Examination at the discretion of the Commission :

Provided also that a candidate who has appeared for the examination the passing of which would render him conditionally qualified for the Commission's examination has not been informed of the result as also the candidate intends to appear at such a qualifying examination eligible for admission to the preliminary examination :

as, by a date to be notified by the Commission, the candidate produces proof of pass in the qualifying examination, for being eligible to take the main examination, during that year;

(d) he must produce a certificate showing that he has paid the prescribed fees for the Examination;

(e) he must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of his duties as an officer of the Service, and a candidate who (after such physical examination as Government may specify) is found not to satisfy these requirements, shall not be appointed; and

(f) he must satisfy the Government that his character and antecedents are such as to make him suitable in all respects for appointment to the Service;

(g) no candidate who is not a member of the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe or who is not covered by any of the specified exceptions notified by the Government from time to time shall be permitted, to compete more than three times at the Examination :

Provided that there shall be no restriction on the number of attempts for the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes who are otherwise eligible.

Explanation : An attempt at a preliminary examination shall be deemed to be an attempt at the examination within the meaning of this rule."

M. NAUTYAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1979

का० नि० जा० 99.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आई.एस.एस. कारखाना और आई.एस.एस. उपस्कर कारखाना (समूह 'ग' प्रतियोगिता पद) नियम, 1976 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम आई.एस.एस. उपस्कर कारखाना (समूह 'ग' प्रतियोगिता पद) संशोधन नियम, 1979 है ।

New Delhi, the 6th April, 1979

S.R.O. 99.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules further to amend the Ordnance Factories and Ordnance Equipment Factories (Group—"C"—Non-Industrial posts) Rules, 1976, Namely :—

- (1) These rules may be called the Ordnance Factories and Ordnance Equipment Factories (Group—"C"—Non-Industrial posts) Amendment Rules, 1979.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette and shall remain into force for a period of five years or till they are further amended, whichever is earlier.
2. In Schedule to the Ordnance Factories and Ordnance Equipment Factories (Group—"C"—Non-Industrial posts) Rules, 1976, against serial No. 6, relating to the post of Lower Division Clerk, in columns 10, 11 and 12 for the entries, the following entries shall be substituted namely :—

10	11	12
“(a) 50% By Direct Recruitment (1/5th of the vacancies reserved for direct recruitment shall be filled by appointment of educationally qualified Group-D employees, having at least 5 Years service and borne on regular establishment on the basis of competitive departmental test. The maximum age for appearing at the test shall be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/Scheduled tribes). 50% by promotion.	By promotion from Checkers with at least 5 Years service in the grade and possessing Matriculation or equivalent qualification.	Group "C"—Departmental Promotion Committee-III (Factories) Consisting of General Manager and two other officers to be nominated by the Director General, Ordnance Factories.

[F. No. 23(46)/77/US-II/D(FY-II)]

J.N. BALLEY, Under Secy.

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे और पांच वर्ष की अवधि तक अवकाश जब तक उनमें और संशोधन नहीं किया जाता, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, प्रवृत्त रहेंगे ।

2. आई.एस.एस. कारखाना और आई.एस.एस. उपस्कर कारखाना (समूह 'ग' प्रतियोगिता पद) नियम, 1976 की अनुसूची में, अवर श्रेणी लिपिक के पद से सम्बन्धित क्रम सं० 6 के सामने स्तम्भ 10, 11 और 12 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

10	11	12
“(क) 50% सीधी भर्ती द्वारा सीधी भर्ती के लिए प्रारक्षित रिक्त स्थानों के 1/5 भाग को, समूह-घ के शैक्षिक दृष्टि से ग्रहित ऐसे कर्मचारियों को विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त करके भरा जाएगा जो 5 वर्ष सेवा कर चुके हैं और नियमित स्थापन के हैं । इनके शक्तिशाली बरीका में बैठने की अधिकतम आयु 45 वर्ष (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 50 वर्ष) होगी ।	ऐसे चेकरों की प्रोन्नति द्वारा जो उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष सेवा कर चुके हैं और जिनके पास मैट्रिकुलेशन अथवा समतुल्य ग्रहता है।	समूह “ब” विभागीय प्रोन्नति समिति-3 (कारखाना) जिसमें, महाप्रबंधक और आई.एस.एस. कारखाना के महानिदेशक द्वारा मनोनीत दो अन्य अधिकारी होंगे ।

(ख) 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ।

[का० संख्या 23(46)/77-यू० एस-2/डी (फैक्टरी-II)]

जे० एन० बाली, अवर सचिव